शुद्ध वर्तनी और प्रभावी अभिव्यक्ति से हिंदी को मिलेगी वैश्विक डिजिटल पहचान : डॉ. प्रमोद

संध्या प्रहरी : सरिया

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को सरिया कॉलेज, सरिया के हिंदी विभाग की ओर से डिजिटल युग में हिंदी : अवसर एवं चुनौतियाँ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रघुनंदन हजाम ने की। संगोष्ठी में महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने हिंदी के सामने संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं। इंटरनेट, सोशल मीडिया, ऑनलाइन शिक्षा, ब्लॉग, डिजिटल समाचार तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे माध्यमों के कारण हिंदी आज देश की सीमाओं से निकलकर वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। उन्होंने कहा कि शुद्ध वर्तनी और प्रभावी अभिव्यक्ति से हिंदी को वैश्विक डिजिटल पहचान मिलेगी। डिजिटल माध्यमों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ भाषा की शुद्धता और गरिमा बनाए रखना भी आवश्यक है। उन्होंने रोमन लिपि में हिंदी लिखने की बढ़ती प्रवृत्ति से बचने तथा देवनागरी और शुद्ध हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया। साथ ही कहा कि हिंदी को केवल भावनाओं की भाषा नहीं, बल्कि ज्ञान, विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और रोजगार की सशक्त भाषा बनाना होगा। अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. रघुनंदन हजाम ने कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति और संवेदनाओं की भाषा है। डिजिटल माध्यमों का सार्थक उपयोग कर इसके व्यापक प्रसार को सुनिश्चित किया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. आशीष कुमार सिंह ने डिजिटल मंचों पर हिंदी की बढ़ती संभावनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म हिंदी के प्रचार-प्रसार का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। डॉ. शिलेश मोहन ने तकनीकी विकास के साथ हिंदी की शब्द-संपदा और अभिव्यक्ति को समृद्ध करने की आवश्यकता बताई। छात्रा नेहा कुमारी ने युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और कविता पाठ किया। संगोष्ठी में विद्यार्थियों ने विषय से संबंधित विचार एवं प्रश्न प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का उद्देश्य डिजिटल युग में हिंदी की संभावनाओं, चुनौतियों और उसके भविष्य को लेकर विद्यार्थियों में जागरूकता उत्पन्न करना रहा।

Follow us on : @ Sandhya Prahari

दैनिक हिंदी अखबार
पारसनाथ एक्सप्रेस
•अब खबरें नहीं...... हकीकत लिखा जायेगा! •आवाज़ कभी जेरे हिरासत नहीं होती!

Ranchi

September 16, 2026
Published Wednesday

शुद्ध वर्तनी और प्रभावी अभिव्यक्ति से हिंदी को मिलेगी वैश्विक डिजिटल पहचान : डॉ. प्रमोद

पारसनाथ एक्सप्रेस संवाददाता

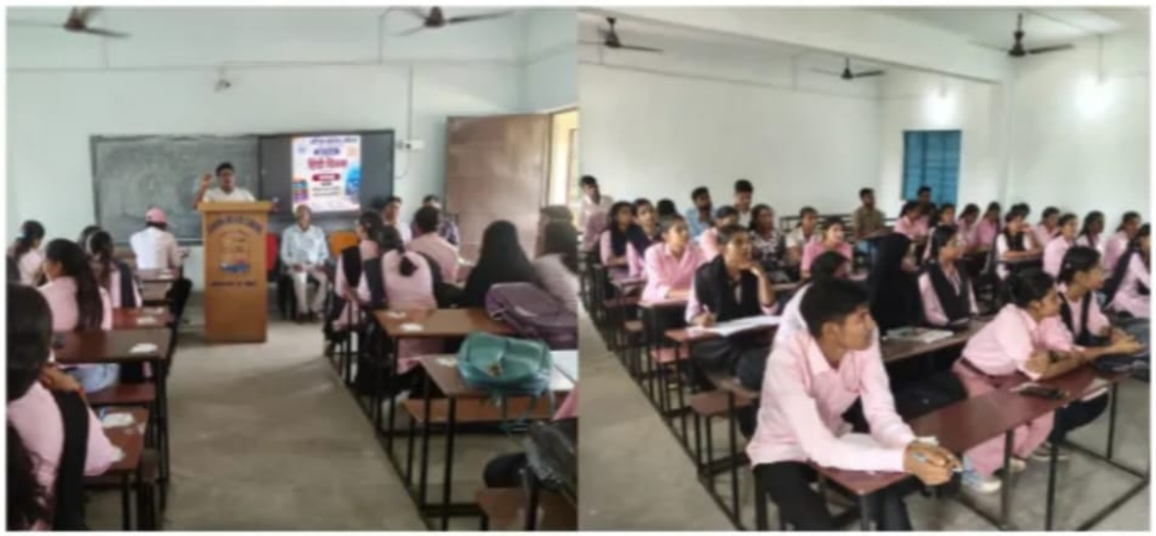

सरिया । हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को सरिया कॉलेज, सरिया के हिंदी विभाग की ओर से "डिजिटल युग में हिंदी : अवसर एवं चुनौतियाँ" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रघुनंदन हजाम ने की। संगोष्ठी में महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने हिंदी के सामने संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं। इंटरनेट, सोशल मीडिया, ऑनलाइन शिक्षा, ब्लॉग, डिजिटल समाचार तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे माध्यमों के कारण हिंदी आज देश की सीमाओं से निकलकर वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है।सिंह ने डिजिटल मंचों पर हिंदी की बढ़ती संभावनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म हिंदी के प्रचार-प्रसार का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। डॉ. शिलेश मोहन ने तकनीकी विकास के साथ हिंदी की शब्द-संपदा और अभिव्यक्ति को समृद्ध करने की आवश्यकता बताई। छात्रा नेहा कुमारी ने युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और कविता पाठ किया।

संगोष्ठी में विद्यार्थियों ने विषय से संबंधित विचार एवं प्रश्न प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का उद्देश्य डिजिटल युग में हिंदी की संभावनाओं, चुनौतियों और उसके भविष्य को लेकर विद्यार्थियों में जागरूकता उत्पन्न करना रहा।

Shared via Parasnath Express

शुद्ध वर्तनी व प्रभावी अभिव्यक्ति से हिंदी को मिलेगी वैश्विक डिजिटल पहचान : डॉ प्रमोद

प्रतिनिधि, सरिया

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को सरिया कॉलेज, सरिया के हिंदी विभाग की ओर से "डिजिटल युग में हिंदी : अवसर एवं चुनौतियां" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रघुनंदन हजाम ने की. संगोष्ठी में महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे. संचालन करते हुए डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने हिंदी के सामने संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं.इंटरनेट, सोशल मीडिया,ऑनलाइन शिक्षा, ब्लॉग, डिजिटल समाचार तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे माध्यमों के कारण हिंदी आज देश की सीमाओं से निकलकर वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है. उन्होंने कहा कि शुद्ध वर्तनी और प्रभावी अभिव्यक्ति से हिंदी को वैश्विक डिजिटल पहचान मिलेगी. उन्होंने रोमन लिपि में हिंदी लिखने की बढ़ती प्रवृत्ति से बचने तथा देवनागरी और शुद्ध हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया. डॉ.रघुनंदन हजाम ने कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति और संवेदनाओं की भाषा है. डॉ. आशीष कुमार सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म हिंदी के प्रचार-प्रसार का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं. डॉ. शिलेश मोहन ने तकनीकी विकास के साथ हिंदी की शब्द-संपदा और अभिव्यक्ति को समृद्ध करने की आवश्यकता बताई. छात्रा नेहा कुमारी ने युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और कविता पाठ किया. संगोष्ठी में विद्यार्थियों ने विषय से संबंधित विचार एवं प्रश्न प्रस्तुत किए.

संगोष्ठी को संबोधित करते वक्ता.

प्रभात खबर
Wednesday, September 16, 2026
Giridih
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/6aa994b593266320b61ecf15

दैनिक भास्कर
गिरिडीह भास्कर
16-09-2026

सरिया कॉलेज में डिजिटल युग में हिंदी : अवसर एवं चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी, विद्यार्थियों ने भी रखे विचार

शुद्ध वर्तनी व प्रभावी अभिव्यक्ति से हिंदी को मिलेगी वैश्विक डिजिटल पहचान : डॉ. प्रमोद

भास्कर न्यूज | सरिया

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को सरिया कॉलेज, सरिया के हिंदी विभाग की ओर से डिजिटल युग में हिंदी अवसर एवं चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रघुनंदन हजाम ने की। संगोष्ठी में महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने हिंदी के सामने संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं। इंटरनेट, सोशल मीडिया, ऑनलाइन शिक्षा, ब्लॉग, डिजिटल समाचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे माध्यमों के कारण हिंदी आज देश की सीमाओं से निकलकर वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। उन्होंने कहा कि शुद्ध वर्तनी और प्रभावी अभिव्यक्ति के माध्यम से हिंदी को वैश्विक डिजिटल पहचान दिलाई जा सकती है। डॉ. प्रमोद ने कहा कि डिजिटल माध्यमों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ भाषा की शुद्धता, गरिमा और मौलिकता बनाए रखना भी आवश्यक है।

सरिया कॉलेज में आयोजित संगोष्ठी में शामिल बच्चे ।

अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. रघुनंदन हजाम ने कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति, परंपरा और संवेदनाओं की भाषा है। डॉ. आशीष कुमार सिंह ने डिजिटल मंचों पर हिंदी की बढ़ती संभावनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म हिंदी के प्रचार-प्रसार के प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। डॉ. शिलेश मोहन ने तकनीकी विकास के साथ हिंदी की शब्द-संपदा और अभिव्यक्ति को समृद्ध करने की आवश्यकता पर बल दिया। छात्रा नेहा कुमारी ने युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कविता पाठ किया।

पीएन कॉलेज में उर्दू की अहमियत पर सेमिनार

भास्कर न्यूज | डुमरी

पीएन कॉलेज में मंगलवार को उर्दू विभाग के तत्वावधान में आज के दौर में उर्दू की अहमियत विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार मिश्रा ने की। सेमिनार में उर्दू विभागाध्यक्ष प्रो. एमडी इसराइल ने वर्तमान समय में उर्दू भाषा के महत्व, इसकी साहित्यिक समृद्धि तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार मिश्रा ने उर्दू भाषा की ऐतिहासिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि भाषाएं समाज को जोड़ने का कार्य करती हैं। उर्दू भारतीय भाषाई एवं सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुख्य अतिथि डॉ. हसन परवीन ने उर्दू भाषा के महत्व, इसके व्यापक प्रभाव तथा वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों को उर्दू भाषा एवं साहित्य के अध्ययन के लिए प्रेरित किया। मौके पर उप प्राचार्य यशवंत कुमार सिन्हा, आईक्यूएसी समन्वयक योगेश प्रसाद महतो, प्रो. संगीता कुमारी, विनोद कुमार अकेला, मुजफ्फर हुसैन, प्रो. गुलाबचंद यादव, शमीम अख्तर सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।